हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 29 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

ज्ञानार्जन प्रोजेक्ट के तहत संचालित कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा आज

मण्डला। मण्डला जिले के विद्यार्थियों को जेईई तथा नीट की परीक्षा की तैयारी कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन संचालित किया जा रहा है। प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के माध्यम से जेईई तथा नीट की परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित होने वाली कक्षाओं में शामिल होने के लिए 29 जून को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई है। यह प्रवेश परीक्षा उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में होगी। जेईई कोचिंग के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में गणित संकाय से कक्षा बारहवी में अध्ययनरत तथा कक्षा बारहवी उत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं। इसी प्रकार नीट कोचिंग के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में बायोलॉजी संकाय से कक्षा बारहवी में अध्ययनरत तथा कक्षा बारहवी उत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में अपना पंजीयन करा सकते हैं अथवा परीक्षा दिनांक 29 जून को 11:30 बजे तक अपनी उपस्थिति देते हुए सहभागिता कर सकते हैं।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का 29 जून को मण्डला आगमन

मण्डला। मण्डला सांसद पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते 29 जून को नारायणगंज में आयोजित मतदाताओं के आभार कार्यक्रम में शामिल होंगे दोपहर 2 बजे बकोरी मण्डल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। शाम 4 बजे मण्डला नगर के स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होकर शाम 7 बजे गृह ग्राम जेवरा के लिए प्रस्थान करेंगे। 30 जून को प्रातः 11 बजे भाजपा ग्रामीण मण्डल मण्डला के द्वारा आयोजित एक वृक्ष माँ के नाम कार्यक्रम के तहत ग्राम मानादेई पहुंचेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में शामिल होंगे कार्यक्रम उपरांत दोपहर 2 बजे मण्डला से जबलपुर प्रस्थान कर शाम 4 बजे हवाई जहाज से दिल्ली प्रस्थान करेंगे।

कमलेश पाठक जी का दुखद निधन

मण्डला। कटरा सुभद्रा कालोनी मण्डला निवास शिक्षक कमलेश पाठक का एक माह पूर्व सड़क हादसे सिर गम्भीर चोट आ गयी थी, इनका इलाज नागपुर के अस्पताल मे चल रहा था, श्री कमलेश पाठक का दिनांक 28 जून 2024 को देहान्त हो गया। श्री पाठक बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। वे अपने पीछे दो बच्ची, पत्नी एवं वृद्ध माँ को छोड़कर चले गये। आप राजेश पाठक के बड़े भाई हैं।

कलेक्टर ने की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा

नामांकन, उपस्थिति गुणवत्ता पर करें फोकस

*** मध्यान्ह भोजन में मेन्यु का पालन हो।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रत्येक घर तक पहुंच करते हुए शाला जाने योग्य सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें। पालकों से संपर्क करते हुए विद्यार्थियों की शालाओं में शतप्रतिशत उपस्थिति का प्रयास करें। सहायक शैक्षिक सामग्रियों का उपयोग करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता पर फोकस करें।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी शालाओं में बेहतर वातावरण तैयार करते हुए उत्साहपूर्वक नवीन शिक्षा सत्र का संचालन करें। शालाओं की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। 15 जुलाई तक पुस्तकों का वितरण पूर्ण करें। वितरित की गई पुस्तकों की ऑनलाईन एंट्री करें। उन्होंने गणवेश, साईकिल तथा छात्रवृत्ति वितरण के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. सिडाना ने कहा कि मध्यान्ह भोजन में गुणवत्ता तथा मेन्यू का पालन करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में प्रभारी सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग क्षमा सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े सहित संबंधित उपस्थित रहे।

दीवारों पर अंकित करें सर्वे की जानकारी

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक घरों में संपर्क करें तथा शाला जाने योग्य बच्चों का स्कूलों में प्रवेश दिलाने की कार्यवाही करें। सर्वे के दौरान प्रत्येक घरों की दीवार पर सर्वे क्रमांक तथा अन्य जानकारियाँ अंकित करें। जिला तथा विकासखंड स्तर के अधिकारी भी रेंडम आधार पर सर्वे कार्य की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ियों से भी संपर्क करते हुए 6 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों का संबंधित स्कूल में दाखिला सुनिश्चित करें।

कोई भी बच्चा नहीं छूटे

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि कक्षा 5 उत्तीर्ण विद्यार्थियों का कक्षा 6 में, कक्षा 8 उत्तीर्ण विद्यार्थियों का कक्षा 9 में तथा कक्षा 10 उत्तीर्ण करे विद्यार्थियों का कक्षा 11 में प्रवेश सुनिश्चित कराएं। संबंधित संस्था प्रमुख अपनी पोषक शालाओं से संपर्क करते हुए पास हुए सभी विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश दिलाएं। कोई भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। इस संबंध में उन्होंने चाईल्डवाईज ट्रेकिंग करने के निर्देश दिए।

गलतियों से सबक लेते हुए सुधार करें

कक्षा दसवी तथा बारहवी में कमजोर परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बीते वर्ष हुई गलतियों से सीख लेते हुए भविष्य में बेहतर करने का प्रयास करें। विद्यार्थीवार कठिन अवधारणाओं का चिन्हांकन करते हुए निदानात्मक कार्यवाही करें। टेस्ट परीक्षाओं के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास जाग्रत करें। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों के चयन में पारदर्शिता रखें। संतोषजनक परीक्षा परिणाम नहीं देने वाले अतिथि शिक्षकों की सेवाएं इस वर्ष नहीं लें।

प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन से जुड़ने विद्यार्थियों को प्रेरित करें

कलेक्टर ने कहा कि प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के माध्यम से जिले की विद्यार्थियों को नीट तथा जेइई की परीक्षा की निःशुल्क तैयारी कराई जाती है। सभी संबंधित प्राचार्य अपनी संस्था के विद्यार्थियों को पात्रतानुसार इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षकों का आव्हान किया कि वे भी प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन में एक शिक्षक के रूप में अपनी सहभागिता कर सकते हैं। उन्होंने प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के तहत संचालित कक्षाओं में प्रदाय की जाने वाली सुविधाओं के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर ने बेस प्लान्टर विधि से मक्का बुआई का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मक्का मण्डला जिले की प्रमुख फसल है। जिले में कृषि विभाग के अमले के द्वारा किसानों को बेस प्लान्टर विधि से मक्का की बुआई करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ग्राम नेवसा निवासी जागेश्वर राजपूत अपने खेत में मक्का की बुआई कर रहा है जिससे वह मक्का उत्पादन कर सफल किसान बन सके। गुरूवार को कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ग्राम नेवसा पहुंचकर मक्का बुआई का निरीक्षण किया। उन्होंने किसान जागेश्वर राजपूत को उच्च किस्म के मक्के के बीज की बुआई करने के निर्देश दिए। जिससे मक्के की फसल का उत्पादन बढ़ सके। उन्होंने बताया कि शासन मक्का फसल का समर्थन मूल्य देती है। बाजार में भी मक्का की बहुत मांग है, किसान मक्के को बाजार में बेचकर भी मुनाफा कमा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर किसानों को व्यापारिक फसल की पैदावार करने के निर्देश दिए, जिसके तहत किसान अपने खेतों की पड़त भूमि में फलदार पौधे को लगाकर मुनाफा कमा सकते हैं। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मक्का बुआई पद्धति से आसपास के किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। जिससे गांव के किसान भी मक्का की बुआई कर मुनाफा कमा सके। उन्होंने किसानों से चक्रीय क्रम में फसल बदलकर खेती करने की बात कही, जिससे खेतों में भूमि का उपजाऊपन बना रहे। उन्होंने किसानों को सब्जी का उत्पादन करने के निर्देश दिए। जिससे किसानों को बाजार में बिक रही सब्जी के दामों का लाभ मिल सके। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने इसी प्रकार की ग्राम डोंगरा में जाकर बसंत कुमार के खेत में एसआरआई विधि से धान रोपाई का अवलोकन किया।

क्यों समझाना पड़ रहा है राजस्व अधिकारियों को बार-बार

*** राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में कहा कि राजस्व अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें। कार्य की प्रकृति के आधार पर प्राथमिकताएं तय करें। शासन के प्राथमिकता प्राप्त कार्यों के निर्वहन के साथ-साथ नियमित कार्यों पर भी पर्याप्त ध्यान दें। उन प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें जो अधिक समय से लम्बित हैं। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे सहित समस्त एसडीएम सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि 6 माह से अधिक नामांतरण के प्रकरण लम्बित न रहें तथा एक जुलाई से नामांतरण के लिए विशेष अभियान चलाएं। साथ ही उन्होंने अंजनिया, मवई, बिछिया में नामांतरण के प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। सीमांकन की समीक्षा के दौरान समस्त प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। अधिक समय से लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें। उन्होंने सीमांकन का कार्य शीघ्र ही गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व न्यायालय में 1 जुलाई से नए प्रावधानों के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए। राजस्व न्यायालय द्वारा जारी आदेशों का क्षेत्र में पालन सुनिश्चित कराने को कहा। राजस्व न्यायालय नैनपुर को आगामी बैठक में टॉप 5 में आने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित होने वाले मृतक किसानों के नाम हटाने के निर्देश दिए। आयोजित बैठक में बटवारा, नामांतरण, सीमांकन, स्वामित्व योजना, धारणाधिकार, न्यायालयीन प्रकरण, अतिक्रमण हटाने के संबंध में, भूमि आवंटन तथा साइबर तहसील, भू-अर्जन, सीएम हेल्पलाईन, प्रथम त्रैमासिक वसूली/दाण्डिक प्रकरण आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

वर्षो से लंबित पड़े हैं मामले

पिछले काफी समय से लगातार कलेक्टर मण्डला द्वारा राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें लंबित मामलों के निपटारे के निर्देश दिये जा रहे हैं राजस्व के प्रत्येक प्रकरणों के लिये समय-सीमा भी निर्धारित की गई है बावजूद इसके ऐसे बहुत से मामले हैं जो वर्षो से लंबित पड़े हैं और जिन पर राजस्व विभाग द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। इन प्रकरणों में विशेष रूप से अतिक्रमण के भी मामले हैं जिन पर सिर्फ फरियादियों को भटकाया जा रहा है इसके अलावा मण्डला से डिण्डौरी मार्ग निर्माण में मुआवजा से संबंधित मामले 02 वर्षो से विचाराधीन है जिस पर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही राजस्व विभाग द्वारा नहीं की गई।

अपराजिता की बहनों ने किया गौशाला में वृक्षारोपण

*** गायों को खिलाई हरि सब्जियाँ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अपराजिता महिला परिषद मण्डला सुन्दरी सम्भाग की महिला सदस्यों ने कल आमानाला स्थित गौशाला में जाकर पौधारोपण किया।

मुनिश्री प्रमाण सागर जी के अवतरण दिवस पर यह आयोजन किया गया अपराजिता महिला परिषद की सदस्यों ने गौशाला पहुंचकर पहले तो परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया उसके बाद परिषद के अंदर पौधारोपण किया परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया और इन पौधों के संरक्षण की भी पूरी व्यवस्था की ताकि ये पौधे बड़े होकर वृक्ष का रूप धारण कर सकें।

पौधारोपण के उपरांत महिला सदस्यों ने गायों की सेवा भी की और गौशाला में जहां कि सैकड़ों की संख्या में गौवंश है उन्हें हरि सब्जियाँ खिलाईं इसके उपरांत महिला सदस्यों ने परिवार सहित यहां पिकनिक भी मनाई।

अपराजिता महिला परिषद मण्डला की अध्यक्ष श्रीमति अंकिता जैन, सचिव श्रीमति अनिता बासल एवं कोषाध्यक्ष श्रीमति श्वेता जैन के साथ बड़ी संख्या में समाज की एवं परिषद की अन्य महिलायें भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं।

कैबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने स्टेडियम परिसर पर किया पौधारोपण

*** एक पौधा माँ के नाम अभियान के प्रतीक स्वरूप खिलाड़ियों ने भी किया पौधारोपण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा प्रारंभ किये गये अभियान एक पौधा मां के नाम के तहत महात्मागांधी स्टेडियम परिसर में मण्डला विधायक प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके भाजपा जिलाध्यक्ष भीष्म द्विवेदी, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, डॉ दिलीप शर्मा एवं युवा खिलाड़ियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर श्रीमति संपतिया उइके ने जिलेवासियों को अपने संदेश के माध्यम से आग्रह करते हुए कहा कि हमारी माताएं एवं प्रकृति दुनिया की निःस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं एक पौधा माँ के नाम यह सिर्फ अभियान नहीं हमारा कर्तव्य है इस अभियान में जुड़कर हम सभी वृक्षारोपण करें और हरे-भरे मण्डला समृद्ध और स्वच्छ मण्डला के संकल्प को साकार करने में अपनी जिम्मेदारी निभायें श्रीमति उइके ने कहा कि एक पौधा मां के नाम का अभियान प्रत्येक माँ के प्रति सम्मान आदर और अपनी निष्ठा तथा कर्तव्य का भाव है पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण की पहल हमारे आने वाले पीढ़ी के जीवन को सुदृढ़ करने का अभियान है मण्डला जिले का तापमान निरंतर बढ़ रहा है माँ नर्मदा की सहायक नदियों का जलस्तर कम हो रहा है इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने-अपने क्षेत्र में वृक्ष लगायें ताकि तापमान में कमी आये और सभी नदियों में बारह महीने जल का प्रवाह बना रहे उन्होंने कहा कि एक पौधा मां के नाम यह कोई सरकारी अभियान नहीं है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है इसमें हम सभी नागरिकों की सहभागिता से संपूर्ण जिले में इस अभियान को मजबूती के साथ धरातल पर उतार सकेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में नागरिकों ने बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी निभायी 23 जून से 6 जुलाई तक एक पौधा मां के नाम का अभियान में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि लगातार पौधारोपण का कार्य कर रहे हैं।

शिविर संत निरंकारी चैरिटेबल फाउण्डेशन के तत्वधान में 15वें रक्तदान शिविर का आयोजन।

मानवता के लिये 213 लोगों ने किया रक्तदान

*** 59 महिलाओं ने भी किया रक्तदान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य में 15 वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। इस अवसर पर शिविर का शुभारंभ मण्डला कलेक्टर डॉ सलोनी सिडाना के द्वारा रिबन काटकर किया गया,इस अवसर पर डॉ सिडाना ने कहा कि जीवन में सबसे महत्वपूर्ण दान है रक्तदान, इसके लिए हर वर्ग को अपनी भूमिका निभाते हुए रक्तदान करना चाहिए,बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा रक्त यूनिट की आवश्यकता होती है इसके लिए सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए, किसी की जान बचाने के लिए यह पुण्य का काम है, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन इसके लिए प्रशंसा का पात्र है जो प्रतिवर्ष विशाल शिविर आयोजित करते हुए जिला ब्लड बैंक का सहयोग कर रहा है जिससे कि जरूरत मंद को ब्लड यूनिट उपलब्ध कराई जा सके, इस अवसर पर कलेक्टर ने संस्था बाल सदस्यों के साथ मिलकर केक काटा और रक्त दाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करके उनका उत्साह वर्धन किया,संस्था की ओर से भी सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, संस्था की ओर से शिविर में सभी के लिए चाय, नाश्ता, जूस, फल, भोजन आदि की व्यवस्था भी की गई, रक्तदान शिविर में संत निरंकारी चेरिटेबल फाउण्डेशन के सदस्य, सीएमएचओ के सी सरौते, सिविल सर्जन विजय धुर्वे रोटरी क्लब मंडला, इन्हर व्हील क्लब मण्डला, स्काउट एंड गाइड टीम के सदस्य, पतंजलि योग समिति के सदस्य, ब्लड बैंक के सदस्य मौजूद रहे और रक्त दान शिविर में सहभागिता की।

कार्यालय ग्राम पंचायत टिकरवारा जनपद पंचायत मण्डला जिला-मण्डला

हिरदेनगर, टिकरवारा घाट नीलामी की सूचना

ग्राम पंचायत टिकरवारा के अंतर्गत हिरदेनगर-टिकरवारा घाट नीलामी दिनांक नीलामी उपरांत से 31/03/2025 तक के लिये की जानी है उक्त घाट की खुली नीलामी दिनांक 05/07/2024 को कार्यालय ग्राम पंचायत टिकरवारा में समय दोपहर 12:00 से की जावेगी। विस्तृत शर्तें व नियम ग्राम पंचायत टिकवारा में कार्यालयीन समय में देखी जा सकेगी।

क्र.	नीलामी दिनांक	विवरण	सरकारी बोली	अमानत राशि	सॉलवेन्शी
1	05/07/2024	हिरदेनगर-टिकरवारा घाट	7,49000/-	75000/-	200000/-

टीपः घाट नीलामी की सम्पूर्ण राशि एक मुस्त नगद राशि के रूप में जमा करनी होगी।

सरपंच ग्राम पंचायत टिकरवारा

सचिव ग्राम पंचायत टिकरवारा

खबर संक्षेप

बाइक की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस निरंजन वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने किसी काम से घर जा रहा था उसी दौरान शक्कर नदी पुल के पास सामने से प्लेटीना मोटर साईकल क्रमाक एम.पी.49 एम.एन. 9505 के चालक द्वारा अपनी मोटर साईकिल को तेज रफ्तार लापारवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मारे जाने के कारण प्रार्थी को चोटे आई। वही घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई को लेकर हुई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पचामा निवासी एक व्यक्ति द्वासरा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि ग्राम पचामा ही निवासी उमाकांत उर्फ सुनील लोधी से मेरा पुराना जमीनी विवाद चल रहा है इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस जब वह मै अपने खेत में मूंग के करपा इकट्टे कर रहा था तभी उमाकांत उर्फ सुनील लोधी आकर गंदी गंदी गालिया देने लगा। गाली देने से मना किये जाने पर उमाकांत द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पति पत्नी के साथ की गई मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के राजेन्द्र बाबू वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मोहल्ले में ही निवास करने वाले बड्डा सेन ,पप्पू सेन एवं संदीप सेन से पुरानी बुराई चल रही है। जब बीते हुये दिवस मैं अपनी घर में अपनी पत्नी से बातचीत कर रहा था तभी बड्डा सेन, पप्पू सेन , संदीप सेन एवं महिला मेरे घर के सामने आये ओर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट करने लगे। बीच बचाव करने के लिये जब प्रार्थी की पत्नी आई तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घर के अंदर घुसकर महिला से की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम अर्जुनगांव निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है जब वह अपने घर के अदंर थी उसी समय गाडरवारा एमपीईबी कालोनी निवासी शिव वर्मा जबरन घर के अंदर घुसकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अलग अलग धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

डंडा मारकर महिला को किया घायल

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम केकरा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि अपने परिवार के साथ कैकरा गांव की खेत में थी और हमारे खेत के बाजू में राजा कौरव का खेत है जो मेरे पति को पुरानी बुराई पर से गंदी गंदी गाली दे रहा था जो सुनने में बुरी लगी तो मेरे पति और मै ने उसे गाली देने से मना किया तभी राजा कौरव ने अपने हाथ में लिये डंडे से मारपीट की जिससे जिससे प्रार्थिया सहित उसके पति को चोटे आने पर पुलिस ने आरोपी राजा कौरव के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

लगातार आवाज उठाने के बाद भी जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्रवासियों की मांग को किया जा रहा नजरअंदाज

नगर परिषद का दर्जा मिलने के बाद भी सालीचौकावासियों को नहीं मिल पाई बस स्टैंड के रूप में यात्री प्रतीक्षालय की सौगात

चिलचिलाती धूप के बाद अब गिरते हुये पानी में भीगते हुये बसों का इंतजार करेगे बसयात्री ...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि क्षेत्र में विकास नही हो रहे है लगतार विकास की गंगा बहने के बाद भी यदि क्षेत्र की जनता छोटी छोटी जरूरतों की महताज होकर परेशान होते हुए देखी जावे तो निश्चित ही उन विकास कार्यो के औचित्य पर सबाल खड़े होने से नही बच पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र में देखने मिल रही है, जहां एक ओर सालीचौका को नगर पंचायत का दर्जा मिले हुये लम्बा समय बीतने के साथ साथ यहां पर रेल्वे स्टेशन व पुलिस चौकी के आलवा हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रमुख रूप से रेल्वे स्टेशन तथा बडी बडी शुगर मिल है वही दूसरी ओर लगभग 50 गांवों को केन्द्र बिंद होने के चलते सालीचौका का दुनिया के मानचित्र में अनोखा स्थान। वही दूसरी ओर अब इस नगर परिषद क्षेत्र में महाविद्यालय की सौगात भी मिल चुकी है। मगर यदि यहां पर अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की ओर गौर किया जावे तो आज भी क्षेत्र के लोग अनेक सुविधाओं को तरशते हुए देखे रहे है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर लोग जिस प्रमुख समस्या से जूझ रहे है वह प्रमुख रूप से है यहां पर बस स्टेन्ड का न होना बताया जाता है कि सालीचौका में जहां सप्ताह में दो बार बाजार लगता है। वही रेल्वे स्टेशन होने के कारण यहां पर लोगों का आना जना बना रहता है। मगर हैरत की बात है कि रेल्वे स्टेशन पर भी चंद ट्रेनों का स्टाप होने के कारण क्षेत्र के अधिकांश लोगों का आना जाना बसों के माध्यम से ही होता है। वही यहां पर क्षेत्र के चारों से बसों का आगमन होता है क्योंकि क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला प्रमुख ग्राम बारहाबड़ा के लिए भी यहां से बस पहुंचती है। वही गाडरवारा से भी बसों का आना जाना होता है। वही सालीचौका पूर्णरूप से एक कस्बा का स्वरूप ले चुका है जिसके आस पास सैकड़ो ग्रामों के लोग प्रतिदिन सालीचौका आना जाना करते हुए अपनी अन्य जरूरी कार्य यही से निपटाते है। मगर इसके बाद भी यहां पर बस स्टेन्ड के साथ साथ यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण जहां बस यात्रियों को अनेक परिशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है तथा नगर की यातायात व्यवसथा भी बिगड़ रही है? बताया जाता है कि निधारित स्थल पर बस स्टेन्ड के आभाव में बसों को हर कही रोकते हुए जहां सबारी बेठारी व उतारी जाती है। वही यात्री प्रतिक्षालय नही होने की स्थिति में बस यात्रियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर देखा जाता है कि बस यात्री बसों का इंतजार करने के लिए यहां वहां चाय पान दुकानों या फिर किसी पेड़ की छाय का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है या फिर उन्हें चिल चिलाती हुई धूप में ही खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है। इतना ही नही स्थिति तो खराब जब होती है तब किसी यात्री के साथ मरीज या फिर महिलाएं होती है इस स्थिति में खुले स्थानों या फिर चाय नास्ता की दुकानों पर बैठकर जब बस यात्री बसों का इंतजार करते है तो महिला बस यात्रियों को अनेक मनचले लोगों की छिटाकशी का सामना करने भी मजबूर होना पड़ता है? इस प्रकार से क्षेत्र का लगातार विस्तार होने के बाद भी आज तक क्षेत्र की लोगों को यात्रिप्रतिक्षालय की व्यवस्था न हो पाना निश्चित ही विकास कार्यो पर सबाल खडें करते हुए जान पड़ रहा है। वही अब सबाल यह उठता है कि जब सालीचौका पहले से ही एक कस्बा के रूप में स्थापित हो चुका है और जहां पर शासन द्वारा शासकीय चिकित्सालय से लेकर पुलिस चौकी व बैकों के साथ बिजली आफिस सहित हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल तक स्थापित किये गये है तो फिर आखिर में आज तक यहां पर निश्चित जगह बस स्टेन्ड व यात्री प्रतिक्षालय क्यों नही बनाया गया है? वही अक्सर देखा जाता है कि हर साल क्षेत्र में कोई न कोई बडे नेता के साथ साथ मंत्रियों का तक आगमन होता है और उनके द्वारा क्षेत्र विकास के लिए बड़ी बड़ी बाते करते हुए क्षेत्र की जनता की तालियों से सम्मान प्राप्त करते हुए हाथ हिलाकर चले जाते है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या उन नोताओं को इस क्षेत्र के लोगों की यह प्रमुख समस्या कभी नही नजर आई जिसके चलते आज भी यहां के लोग बस स्टेन्ड व यात्री प्रतिक्षालय के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है? क्योंकि बस स्टेन्ड न होने की स्थिति में बसों के सड़को पर खड़े होने के कारण जहां अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, वही यात्री प्रतिक्षालय के आभाव में बस यात्री गर्मी के दिनों में बैठने के लिए उचित व्यवस्था खोजना भी मुश्किल हो जाता है। कुछ इसी तरह का बारिश के दिनों में देखा जाता है कि बस यात्री भींगते हुये बसों का इंतजार करने के लिये मजबूर होते है। वही जब देखा जाता है कि वह अपने बैठने के लिए छायदार जगह खोजते हुए किसी नास्ता दुकान की शरण में जाते है तो उन्हें मजबूरी बस उन्हें उस दुकान से चाय नास्ता करने मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि हर दुकान पर लिखा होता है कि यहां पर फालतू बैठना मना है। इस स्थिति में यात्री मजबूर बस अपनी जेब को हल्का करते हुए दुकानदार की नजर में फालतू नही होना चाहता? इस संबंध में जब क्षेत्र के कुछ प्रमुख नेताओं से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि बस स्टैड के लिए सालीचौका में रोड किनारे शासकीय जगह नही होने के कारण यहॉ बस स्टेड नही बन पा रहा है लेकिन आने वाली नगर पंचायत की बैठक इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए यात्रियों की परेशानी के समाधान हेतु कोई न कोई समाधान जरूर खोजा जावेगा और शीघ्र ही इस सबंध में कार्यवाही की जावेगी इस बात को सुनते सुनते लम्बा समय बीत जाने के बाद भी शायद क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं द्वारा क्षेत्रवासियों की इस परेशानी को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि यहां पर आज तक यात्री प्रतिक्षालय की सौगात नही मिल पाई है? वही जब हमारी टीम ने एक वाहन मालिक से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यहॉ बस स्टेड की कमी हम सभी वाहन संचालको को हमेशा से खलती आ रही है हम भी चाहते है कि सीलचौका मे एक बस स्टेड का होना अत्ति आवश्यक है जिससे नगर की सुंदरता तो बडेगी साथ ही वाहनों को खडा करने मे भी सुविधा होगी वही यात्री प्रतिक्षालय रहेगा तो दूर दराज के गांवों से आये हुए यात्रीयों को बसो का इंतजार करने की स्थिति मे बैठने तथा पानी समुचित व्यवस्था हो जावेगी। जहां एक ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा बस स्टेन्ड के निर्माण को लेकर शासकीय भूमि का आभाव बताया जा रहा है वही दूसरी ओर शासन के रिकार्ड में देखा जावे तो पर्याप्त शासकीय भूमि दिखाई दे रही है यह बात अलग है कि वह प्रभावशालियों के कब्जे में होने के कारण अतिक्रमण के भेंट चढ़ चुकी है जिसे मुक्त कराने के नाम पर अधिकारियों को दिन में ही तारे नजर आने लगते है?

गांव गांव शमशानघाट निर्माण के नाम पर लाखों रूपया खर्च किये जाने के बाद भी खुले में शव जलाने के लिये मजबूर हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा बीते हुये कुछ वर्ष पहले ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर हर वर्ष विकास के नाम पर लाखों रूपया खर्च किये जा रहे है जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सरकार द्वारा गांव गांव लोगों को बारिश के दिन में किसी की मौत होने पर उसके अंतिम संस्कार में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करने पड़े इस सोच के चलते हर पंचायत से लेकर गांव गांव पक्के शमशान घाटों सहित दाह संस्कार के लिये पक्के निर्माण कराते हुये वहां पर टीन शेड निर्माणों कराने के नाम पर लाखों रूपया खर्च किये गये हैद्ध। मगर इसके बाद भी यदि शमशान घाटों पर बनाये गये टीन शेडों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करते हुये अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है कि पंचायतों द्वारा टीन शेडों के निर्माण में किसी प्रकार की गुणवत्ता अपनाई गई होगी जिसके चलते जहां चंद दिन के उपरांत या तो टीन शेड हवा में उड़ चुके है या फिर उनके निर्माण के नाम पर राशि निकल जाने के बाद भी वह आज अंधूरे पड़े हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? कुछ इसी प्रकार का हाल पंचायत भवनों से लेकर आंगनबाड़ी केन्द्रो की सच्चाई को देखते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है? इस बात की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रहा है जहां पर ग्राम में किसी की मौत हो जाने पर उसके अंतिम संस्कार के लिये शमशाम घाट पर बनाये गये टीन शेड की सच्चाई उसके टूटी पड़ी हुई टीन अपने आप ही बताते हुये देखी जा रही है कि टीन शेड के नाम पर पंचायत द्वारा किसी प्रकार की गुणवत्ता अपनाई गई होगी जिसके चलते ग्राम में शमशान घाट निर्माण कार्य के नाम पर राशि खर्च होने के बाद भी ग्रामीणों को खुले मैदान में शव का दाह संस्कार करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पहले क्षेत्र की पंचायतों द्वारा शमशाम घाट निर्माण के नाम पर राशि खर्च तो की गई जो कागजों में भी देखी जा सकती है। मगर सरकारी राशि खर्च होने के बाद भी शमशाम घाट पर लगे हुये टीन शेड पूर्णरूप से गायब हो जाने की स्थिति में देखे जा रही है और इस प्रकार का हाल बन चुका है कि यदि आने वाले बारिश के दिनों में किसी ग्रामवासी के घर किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसका अंतिम संस्कार करना काफी परेशानियों भरा होने की संभावना से कम नही होगा। क्योंकि निर्माण के चंद दिनों बाद ही टूटे चुके इन टीन शेड को देखकर ही अनुमान लगाया जा सकता है कि आखिरकार बारिश के दिनों में क्या शमशान घाट के इस टीन के नीचे किसी शव का दाह संस्कार कर पाना संभव हो पायेगा? इस सच्चाई को क्षेत्र के अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार देखे जाने के बाद भी नजर अंदाज करना निश्चित ही उनकी कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक पा रहा है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासकीय भवनों का यह हाल है तो पंचायत की कार्य प्रणाली किस प्रकार की होगी इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

रोटरी क्लब गाडरवारा का प्रतिभा सम्मान समारोह आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवरा। रोटरी क्लब द्वारा निश्चित तौर से समाज सेवा के रूप में अनेक प्रकार के कार्य किये जाते रहे है। वही दूसरी ओर अब रोटरी क्लब ऑफ गाडरवारा द्वारा क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के भावों को सजाकर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। बताया जाता है कि आज 29 जून को रोटरी क्लब गाडरवारा द्वारा क्षेत्र के विधायक राव उदय प्रताप सिंह परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री म.प्र. शासन, रोटे विवेक कृष्ण तन्खा राज्य सभा सांसद व पूर्व रोटरी क्लब के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गर्वनर, नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, रोटे बलदीप संह मैनी पूर्व आयुक्त निःशक्तजन तथा नगर के वरिष्ठ साहित्यकार कुशलेन्द्र श्रीवास्तव व रोटे मिनेन्द्र डागा असि. गर्वनर रोटरी की मौजूदगी में प्रतिभाओं के सम्मान के साथ साथ नगर रोटरी क्लब के एक वर्षीय कार्यकाल की पूर्णता व नवगठित इकाई का सम्मान समारोह का आयोजन नगर के सुखदेव भवन में शाम 6 बजे से किया जा रहा है। वही कार्यक्रम उपरांत काव्य गोष्टी का आयोजन भी किया जावेगा।

अवैध रूप से चल रहे मिट्टी परिवहन के चलते सड़कों पर गिर रही मिट्टी से वाहन चालक परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्ध ट्रेक्टरों का परि संचलन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहा है? यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर अनेक ट्रेक्टर कृषि कार्य के नाम पर रजि. होने के बाद भी अन्य कार्यो में लगे हुए है? मगर प्रशासन का ठुलमुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ठुलाई करते हुए नगर में प्रवेश करते है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है? इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भकर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? वही अक्सर नगर की सड़कों पर इन ट्रेक्टरों का संचालन होते हुए उस समय देखा जाता है जब जब शिक्षा सत्र चालू रहा है उस समय बच्चों के स्कूल छूटने तथा लगने का समय होता है। इस तरह सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रेक्टरों की गति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि शायद मासूमो का अब भगवान ही मालिक है? यदि गौर किया जावे तो इन ट्रेक्टरों में ढोये जाने वाली मिट्टी को ट्रेक्टर मालिको द्वारा इस प्रकार से भरते हुए नगर की सड़को पर दौड़ाया जाता है जिसके चलते जब वह मिट्टी सड़को पर गिरने के बाद अन्य छोटे वाहन चालको के लिए खतरा की घंटी बताते हुए जान पड़ती है। क्योंकि सड़को पर गिरने वाली इस मिट्टी के चलते जहां बाइक सबारों को फिसलने का भय बना रहता है तथा इस मिट्टी के धूल में परिवर्तित होने के बाद सड़क को गंदा तो करती ही है साथ ही साथ जब इस मिट्टी से बनी हुई धूल के गुब्बरे बनकर उड़ते है तो लोगों का सांस लेना भी दूभिर हो जाता है? जिसके चलते जहां नगर के लोग इन ट्रेक्टर चालको की मनमानी से परेशान देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा भी जान पड़ रहे है?

झमाझम बारिश होने के पहले आशियाने सुधारने की कवायद शुरू, निर्माण सामग्री से पटा शहर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हाल की में कुछ जगहों पर हुई बारिश और अब आसमान पर उमड़ते बाद्लो ने शहरवासियो को अहसास करा दिया है कि एक सप्ताह के भीतर मानसून पूर्णरूप से दस्तक दे सकता है और बारिश के मौसम से उभरी समस्याएँ उन्हे घेर कर हलाकान कर सकती है। लोग बारिश की चिंता के चलते सारे खतरों से अगाह होकर शहर से लेकर ग्रामीण इसलिए अब अपने आशियानों की सुध लेने लगे है और उनकी मरम्मत कराने की जोरशोर से तैयारियॉ उनकी ओर से प्रारम्भ कर दी गयी है। यही कारण है कि वर्तमान में नगर के चहुँओर यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाली भवन निर्माण सामग्री के ढेर लगे नजर आ रहे है और नगर के झंडाचौक पर मजदूरों की तलाश की जा रही है। बताया गया है कि मकानो की मरम्मत करने की सामग्री पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 15 प्रतिशत तक महंगी बिक रही है, साथ ही मकानो की मरम्मत करने वाले मजदूरो के रेट भी इतने हाई फाई चल रहे है कि मध्यवर्गीय व्यक्ति इस पेशोपेश में पड़ गए है कि मकानों की मरम्मत के काम का आगाज करें या नही? लेकिन पीठ पर कोड़े बरसाने वाली महँगाई से त्रस्त लोगों को यह लग रहा है कि यादि उन्होंने झमाझम बारिश के पहले अपने आशियाने दुरूस्त नही कराये है तो बरसात के मनभावन मौसम के दौरान उनका अपने घरों में रहना मुश्किल हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि बारिश के मेहरबान होने के पहले अपने आशियानो की मरम्मत कराने के बारे में सर्वाधिक परेशानी शहर के उन गरीबो को हो रही है, जिनके घर कच्चे है वह देशी, खप्परो, टीनो से से भरे पड़े हुये है। इन मकानों को सुधारने में हमेशा से असमर्थ रहने की स्थिति में इनमें लगी लकड़ियां खराब हो गयी है, और वे कतई रहने लायक नही रह गए है। शहर के घनी बसाहट वाले अधिकतर गरीबो ने बताया कि हमारी किस्मत ही ऐसी है कि पीढ़ियों से जर्जर होते जा रहे मकानों में हमारे बच्चे पनाह लिए हुए है। बारिश के मौसम में जब शहर का माहौल खुशनुमा हो जाता है और नगर में त्यौहार मनाये जाने लगते है तब गरीबो के घरों की रात में छते टपकने, दीवारे धसकने लगती है और यह अंदेशा सताने लगता है कि न जाने कब हमारा मकान धोखा दे जाए, उन्होंने पीड़ा भरे स्वर में बताया कि इस बर्ष बांस, बल्ली, ट्ट्टो, पन्नी, टीन की कीमत बेतहाशा बढ़ी हुई है। वही दूसरी ऊपर से भीषण महँगाई प्राण खाये जा रही है। ऐसी स्थिति में गरीबों को अपने कच्चे घरो को सुधारने के लिए प्रशासन से सहायता राशि मिलने की दरकार है। गौरतलब है कि अभी तक शहर में प्रशासन, सम्बंधित संस्था की उदासीनता के चलते नगर में गरीबों के लिए सुविधायुक्त मकान नही बन पाये है, जिसकी वजय से बारिश का मौसम हर साल उनके लिए मुसीबतो का पैगाम लेकर आता है और उन्हें अपने असुरक्षित घरों में घनघोर बारिश की रातें बिताने मजबूर होना पड़ता है। शहर के जागरूक नागरिकों, समाजसेवियों ने प्रशासन से मांग की है, वह संवेदनशी ढंग से गरीबो को उनके कच्चे घरों में मरम्मत कराने उचित सहायता राशि मुहैया कराये, ताकि अमन के साथ उनको बारिश का मौसम काटना नसीब हो सके।

नगर में बड़ी घटना घटित होने से बाल बाल बची, स्टेशन मार्ग पर लगा हुआ पीपल का पेड़ का आधा हिस्सा गिरा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में रेलवे स्टेशन शहर का प्रमुख मार्ग माना जाता है क्योंकि इस मार्ग से जहां स्टेशन आने जाने वाली लोगों की लाईन तो लगी ही रहती है दूसरी ओर अनेक गांवों के लोग भी अपनी जरूरी काम से इसी मार्ग से आते है। जिसके चलते 24 घंटे इस मार्ग से लोगों के आने जाने का महौल सदा ही बना रहता है। क्योंकि यहां पर लगी हुई अनेक प्रकार की दुकानों व बच्चों के लिये मन मोहक फुल्की, कुल्पी सहित अन्य सामग्री विक्रय होने के साथ साथ पान चाय की दुकानों के आलवा बिजली विभाग का कार्यालय होने के कारण भीड़ का आलम बना रहना आम बात होती है। इस तरह भीड़ भाड वाले क्षेत्र में जब आसमान में छाये हुये बादलों की गर्मी के दौरान लोग यहां पर ठंडक का अहसास कर रहे थें उसी दौरान नगर के पावर हाऊस के सामने लगे एक पुराने पीपल के पेड़ की डाल इस तरह से गिरी की मुख्य मार्ग

के डिवाईडरों के ऊपर से होते हुये शहर व क्षेत्र में सप्लाई होने वाली 33 के व्ही लाईन को भी अपनी चपेट में लेने से नही चूका। मुख्य मार्ग पर गिरने से जहां अफरा तफरी का महौल बनते हुये देखा गया। क्योंकि इस तरह पीपल की डाले गिरने के कारण यहां पर चाय नास्ता सहित अन्य दुकानों पर बैठे हुये लोग घबरा गये तो दूसरी ओर अनेक दुकानों को क्षति पहुंचने से भी नही बच पाई। इस तरह बगैर तेज हवा व तूफान के घटित हुई बड़ी घटना से कोई जन की हानी तो नही हुई। मगर नगर की बिजली व्यवस्था जरूरी कई घंटो तक प्रभावित हुई। क्योंकि पीपल की डाले गिरने के कारण बिजली क मुख्य लाईन सहित लोगों के घरों में लगे हुये कनेक्शन टूटने के कारण बिजली विभाग का आमले को टूटी लाईन के सुधार कार्य में काफी परेशान होना पड़ा। वह तो अच्छा हुआ कि जब यह पेड की डाल गिरी हुई थी उस समय तेज बारिश का दौर चल रहा था जिसके चलते इस मार्ग पर आने जाने वालों की भीड कम दिखाई दे रही थी। यदि सामान्य समय पर गिरी हुई होती तो निश्चित तौर से नगर में बडी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता था। इस तरह सही मायने में देखा जावे तो भगवान की कृपा के चलते नगर में एक बडी घटना घटित होने से बाल बाल टल गई ।

भगवान भरोसे चल रहा सांईखेड़ा स्वास्थ्य केन्द्र, डॉक्टरों की पूर्ति हेतु नहीं उठाये जा रहे कोई कदम

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अनेक अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुये आमजन को सुविधाएं प्रदान करते हुए लोगों का भला किया जा रहा है। मगर अब सबाल यह उठता है कि जब स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टर ही नही होगे तो फिर क्या इस स्थिति में लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की योजनाओं का लाभ मिल पायेगा? इस सच्चाई को लेकर न तो योजनाएं चलाने वाले मंत्री ध्यान दे रहे है और और न ही समाजसेवी तथा जनप्रतिनिधि जो आये दिन मंचों के माध्यम से तो सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए देखे जाते है, जो वर्तमान में बगैर डाक्टरों के भगवान भरोसे चल रहे स्वास्थ्य केन्द्रों की ओर ध्यान नही दे रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय दादा धूनी वालों की नगर सांईखेड़ा के स्वास्थ्य केन्द्र में देखने मिल रही है। जहां पर अनेक प्रमुख चिकित्सकों के पद खाली होने के चलते मात्र चंद छोटे मोटे डाक्टरों व मात्र कर्मचारियों के भरोसे हुये चलते हुये देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार सांईखेड़ा क्षेत्र में जहां लगभग 40-50 गांव आते है वही दूसरी ओर समीपस्थ रायसेन जिले के उदयपुरा क्षेत्र के लोगों द्वारा भी जरूरत पड़ने पर यहां इलाज कराने के लिए आना पड़ता है जिसके चलते इस स्वास्थ्य केन्द्र में आये दिन मरीजों की लम्बी लाईने लगी हुई देखी जाती है। मगर इसके बाद भी इस स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों के अनेक पद खाली होने के बाद भी उन पर नियुक्ति नही होने की स्थिति में यहां का स्वास्थ्य केन्द्र मात्र चंद कर्मचारियों के भरोसे चलते हुये देखा जा रहा है? जबकि शासन की योजनाओं पर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा महिलाओं के इलाज हेतु अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी अनेक सुविधाएं प्रदान की जा रही है मगर यहां पर महिला डाक्टर के आभाव में शासन की योजनाएं लोगों को मात्र एक सपना ही साबित होते हुए जान पड़ रही है?

गांव गांव बिक रही रंगीन कुल्फी से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भीषण गर्मी के दौरान इन दिनों शहर में ठंडे पेय पदार्थो के ठेले चारो तरफ लगे नजर आ रहे है। इन ठेलो पर गुणवत्ता युक्त आईसक्रीम, गन्ने का रस, कोल्ड ड्रिक्स बेचने का दावा जरूर किया जा रहा है, किन्तु खबर है कि शहर की गलियो में जो रंगीन कुल्फियाँ इन दिनों जिस प्रकार से बिक रही है, वह बच्चो की सेहत बिगाड़ रही है? बताया जाता है कि सेकरीन के प्रयोग से तैयार की गयी ये रंगीन कुल्फियॉ काफी सस्ती होने के कारण बच्चे इन्हे अंजाने में खरीद लेते है और बाद में इनके खाने से उन्हे नुकसान होता है। उल्लेखनीय है कि ये रंगीन कुल्फियॉ इन दिनो क्षेत्र में गांवो में भी धडल्ले से बेची जा रही है। इस सच्चाई को लेकर शहरवासियो ने प्रशासन से गुहार लगायी है कि जिन फैक्ट्रियो में पानी में सेकरीन मिलाकर रंगीन कुल्फियॉ बनायी जा रही है, उनकी जांच करायी जाए तथा फैक्ट्रियो संचालको को प्रेरित किया जाए कि वे बच्चो के स्वास्थ्य के हित में सेकरीन की जगह शक्कर का प्रयोग कर रंगीन कुल्फियॉ तैयार कर उनका विक्रय करें।

खबर संक्षेप

पाली, मानपुर एवं करकेली में आधार कैंप प्रारंभ

उमरिया। जिले के करकेली विकासखण्ड, मानपुर विकासखण्ड तथा पाली विकासखण्ड में आधार कैंपो का आयोजन 28 जून से प्रारंभ हो गया है। यह कैंप 29 जून तक जारी रहेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले आधार कैंप के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्त की है । नोडल अधिकारी ग्राम पंचायत में आधार आपरेटरो की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए जन मन योजना से संबंधित समस्त हितग्राहियों के ई केवाईसी , आयुष्मान कार्ड, आहार अनुदान मे आधार की समस्याओं का निराकरण करायेगे ।

रोजगार मेले में 86 बेरोजगार युवकों को दिया गया जॉब लेटर

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन प्रधान मंत्री कौशल केन्द्र उमरिया में किया गया। मेले में 130 आवेदको ने अपना पंजीयन कराया जिसमें से विभिन्न कम्पनियों द्वारा 86 बेरोजगार युवक युवतियों को ऑफर लेटर प्रदान किये गये । जिस कम्पनी में चयन किया गया है उनमे एल आई सी में 7, रिलायंश निपोन 14, प्यूजन माइको फाइनेंस 14, वर्धमान मंडी द्वीप भोपाल 9, बडबे आटो कैम्पस औरंगाबाद 8, एवं यू टेग (ऑन बिजनेस) 34 शामिल हैं।

धान, कोदो, कुटकी, उडद, रागी बीज वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

उमरिया। जिला पंचायत परिसर में सभापती कृषि स्थाई समिति एवं जिला पंचायत सदस्य ओमकार सिंह ने धान के दस, कोदो के बीस, कुटकी के पाँच, उडद के दो तथा रागी के बीजो का किसानो सामूहिक रूप से वितरण किया। इस अवसर पर मनोहर सिंह मरावी, सावित्री सिंह, बेला सिंह, मीना सिंह तथा कृषि उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा कृषि अभियांत्रिकी, विद्युत विभाग, जल संसाधन विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित रहे । कृषको में बीज पाकर उत्साह देखा गया। लाभान्वित कृषको में लीला बाई, गजानंद सिंह ग्राम भरहुत, धीरज यादव ग्राम बरही, सुभद्रा सिंह ग्राम पौनिया, संतोष कुमार ग्राम कोहका 47, शिवशंकर यादव ग्राम बहेरघटा, सुनीता तिवारी ग्राम कोहका 47, संतोष कुमार ग्राम कछिया टोला शामिल है ।

बीच बाजार विवाद के बाद हंगामा

कोतमा। नगर के मध्य गांधी चौक में शुक्रवार दोपहर 2 बजे के लगभग अचानक दो पक्षों में भारी विवाद होने लगा। बीच बाजार हुए विवाद को लेकर व्यापारी सकते में आ गए। विवाद होने से रोड जाम सहित भीड़ एकत्र हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसके बाद थाना प्रभारी स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे तब जाकर किसी प्रकार मामला शांत हुआ। बताया जाता है कि बाजार में स्थित एक कपड़े दुकान में कार्यरत मिस्त्री द्वारा सुबह पूर्व इटली वाले के यहां इटली खाकर आया था और पैसा नहीं दिया गया था जिस पर व्यापारी द्वारा दुकान में घुसकर इटली की पैसे की मांग करते हुए जमकर विवाद किया गया। धीरे धीरे विवाद जमकर बढ़ गया। पुलिस के द्वारा दोनों पक्षों को थाने लाई गई जिसके बाद आपस में समझौता किया गया।

जमीनी विवाद का मामला दर्ज

कोतमा। बरसात के प्रारंभ होते ही खेती किसानी शुरू होने पर जमीनी विवाद की घटनाएं बढ़ जाती है। जमीनी विवाद के नया मामला वार्ड क्रमांक 7 बनिया टोला में सामने आया जहां महिला आशा बसोर 30 वर्ष पति मनोज बासोर जो अपने परिवार की संयुक्त जमीन पर निर्माण करने के दौरान मोहन बसोर, सुनीता एवं उसके पुत्र द्वारा गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दिया।
मारपीट से चेहरे एवं हाथ में चोट आने पर थाने में शिकायत व मेडिकल उपरांत पुलिसने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

आय-व्यय का हिसाब मांगने पर सामान्य सभा छोड़ भागे सीईओ, जनपद सदस्यों ने की कार्रवाई की मांग

डिंडौरी। 28 जून शुक्रवार को जनपद पंचायत डिंडौरी में सामान्य सभा की बैठक में आय व्यय का हिसाब मांगने पर सीईओ निखिलेश कटारे बैठक छोड़कर चले गए, जिसको लेकर जन प्रतिनिधियों ने कलेक्टर से शिकायत कर जनप्रतिनिधियों के अपमान किए जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की हैं। पत्र में उल्लेख हैं की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष जनपद समेत सदस्यों को 27जून को मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा सामान्य सभा की बैठक रखने के लिए पत्र जारी किया गया। आज 02 बजे से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सभी जनपद सदस्य मीटिंग हॉल में उपस्थित होने के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी समेत कर्मचारी उपस्थित हुये।

समस्त जनपद सदस्यों के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी से 01 जुलाई 2022 से आज दिनांक तक का आय-व्यय की जानकारी मांगने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी

निखिलेश कटारे जानकारी न देते हुये सामान्य सभा की बैठक छोड़कर अपने चेम्बर के लिए भाग निकले। जिससे अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सभी जनपद सदस्यों के मान सम्मान को ठेस पहुँची हैं। जनपद सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर कलेक्टर से शिकायत करते हुए उल्लेख किया हैं की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी जनपद सदस्यों के अपमान को देखते हुये कार्रवाई की मांग की हैं। इस दौरान जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा धुर्वे, उपाध्यक्ष रामकिशोरी ठाकुर, सदस्य ननकु सिंह परस्ते, लेखनी बाई, ममता देवी, मोना हीरोन्दे, ओमप्रकाश मार्को, कोमल मार्को, राम किशोरी ठाकुर, राकेश परस्ते, धनराज पूषाम, संतोष चंदेल, राकेश परस्ते, बब्बू परस्ते समेत समस्त सदस्य मौजूद रहें हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा महज दिखावा, छात्रावास में नहीं मिल रहा प्रवेश

मेंहदवानी। विकास खंड मेंहदवानी के वन ग्राम सलैया में रहने वाली उर्मिला यादव बहुत खुश थी कि उन्होंने गांव के प्राथमिक शाला से कक्षा पांचवीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है अब वह कक्षा छठवीं में प्रवेश लेकर आगे की पढ़ाई जारी रखेगी परन्तु नजदीकी ग्राम मोहगांव में स्थित माध्यमिक शाला जाने के लिए नर्मदा नदी में पुल नहीं है जिससे स्कूल पहुंच पाना असम्भव है और अगर 4 किलोमीटर दूर स्थित माध्यमिक शाला सारंगपुर जाना चाहें तो घने जंगल से होकर गुजरना नामुमकिन है। ऐसे में छात्रा उर्मिला यादव को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए उनके पिता हिमाल यादव कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास पड़रिया में भर्ती कराने गए परन्तु

छात्रावास अधीक्षिका के द्वारा सीट फुल होने का हवाला देकर मना कर दिया गया। छात्रा उर्मिला यादव का कहना है मैं आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहती हूं लेकिन मेरे गांव सलैया और मोहगांव के बीच में नर्मदा नदी बहती है जिसे पार करके जाना सम्भव नहीं है। छात्रा के पिता हिमाल यादव ने बताया कि एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पड़रिया में उर्मिला यादव को प्रवेश दिया जा रहा है परन्तु कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास पड़रिया के अधीक्षिका द्वारा छात्रावास में सीट फुल होने की बात कही जा रही है और भर्ती नहीं किया जा रहा है जिसके चलते लगता है मेरी बेटी पढ़ाई से वंचित रह जाएगी क्योंकि ग्राम सलैया से मोहगांव के बीच नर्मदा नदी है जिसे पार करके जाना सम्भव नहीं है और अगर बच्ची को सारंगपुर भेजता हूं तो घाट चढ़कर 4 किलोमीटर लम्बे घने जंगल होकर जाना पड़ेगा जो असंभव है। इसलिए मैं अपनी बच्ची को बालिका छात्रावास में रखकर पढ़ाना चाहता हूं। मैं बच्ची को लेकर विगत एक सप्ताह से छात्रावास अधीक्षिका के चक्कर लगा रहा हूं पर बच्ची को छात्रावास में भर्ती कराने में सफल नहीं हो पाया हूं।

बजाग जनपद पंचायत कार्यालय में घुसा बरसात का पानी

डिंडौरी। पहली ही मूसलाधार बरसात में जनपद पंचायत बजाग के कार्यालय में खप्पर टूट जाने और गर्मी के मौसम में मेंटनेंस ना हो पाने के चलते पानी भर गया है। इन दिनों बरसात की शुरुआत हुई है वहीं अभी तो पूरा चेमासा बचा है कि

शुरुआत में ही कार्यालय के अनेक कक्ष में पानी भर गया। छत खराब होने के चलते हुई बरसात से अनेक डाक्यूमेंट्स और मशीनरी उपकरण में पानी पड़ने की खबर प्रकाश में आई है इसके अलावा शुक्रवार को आफिस दिवस के चलते कार्यालयीन कामकाज प्रभावित हुए हैं। अब देखना यह है कि इस तरह की बरसात के निजात पाने के लिए वि भा गी य अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा सुधार कार्य किया जाएगा। ज्ञात हो कि मेंटनेंस के नाम पर विभागीय अमला हर वर्ष सिर्फ खानापूर्ति हुए हैं अब देखना होगा कि बरसात से निकलने के लिए क्या क्रियान्वयन किया जाएगा।

जिला शिक्षा समिति और जनजातीय कार्य विभाग की बैठक में सक्षम कार्यक्रम को लेकर हुई चर्चा

डिंडौरी। बैठक में आये जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमति अंजू व्यवहार जी, सहायक आयुक्त महोदय संतोष शुक्ला जी, जिला शिक्षा अधिकारी आर. एस. सिन्द्राम जी के साथ हुई।

बैठक में डिंडौरी जिले के समस्त विकास खण्ड से समस्त विकास खंड शिक्षा अधिकारी , बी आर सी , बी ए सी , संकुल प्राचार्य उपस्थित रहे । बैठक का शुभारंभ सहायक आयुक्त महोदय द्वारा किया गया जिसमे विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर कहा गया । इसके बाद जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष द्वारा विद्यालय में सप्ताह में दो दिन रोचक गतिविधि शिक्षकों के द्वारा करवाई जाए।जिससे बच्चों की औसत उपस्थिति विद्यालय में अच्छी हो । डिंडौरी विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बी डी सोनी जी द्वारा सक्षम कार्यक्रम के नवीन 2024 -25 शैक्षणिक वर्ष में 23 सत्रों का सफल संचालन किया जाना है। साथ ही उनकी ऑनलाइन रिपोर्टिंग शिक्षक द्वारा की जाना सुनिश्चित हो। सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत इस वर्ष की जानी वाली गतिविधियों के बारे में सक्षम कार्यक्रम जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह परमार जी द्वारा सक्षम कार्यक्रम के क्रियान्वयन की रूपरेखा के बारे में बताया गया कि इतब ,इंब , बंब और संकुल प्राचार्य की कार्यक्रम के क्रियान्वयन में भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। बैठक में सक्षम कार्यक्रम में कार्यरत मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के समस्त विकास खण्ड प्रबंधक अमरपुर से प्रवीण उपाध्यायजी ,समनापुर से नीरज तिवारीजी ,बजाग से अनुराग दुबे जी ,डिंडौरी विकास खण्ड से नेहा जोशी जी शहपुरा से उमेश वर्मा जी और मेहद्वानी से अंकित राजपूत जी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मिशन शक्ति को गांव-गांव तक पहुंचाने के दिये निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभाग द्वारा ग्रामीण स्तर पर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। साथ ही बैठक में उपस्थित जिले के सभी परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं वन स्टॉप सेन्टर के समस्त स्टाफ द्वारा किये गये कार्यो का मूल्यांकन किया गया। ग्रामीण स्तर तक आंगनवाडी केन्द्र के द्वारा प्रत्येक बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने हेतु कार्य करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम का मुख्य बिन्दु मिशन शक्ति योजना थी जो की संपूर्ण भारत में संचालित हो रही है, इसे जन जन तक ग्रामीण स्तर से कार्य कर के पहुंचाने का निर्देश दिये गए। शासन स्तर से निर्धारित 100 दिवसीय कार्यक्रमों की रूप रेखा अनुसार कार्य करने एवं उन सभी चीजों पर अमल करने हेतु कहा गया। साथ ही रेवा प्रोजेक्ट कार्यक्रम के अन्तर्गत कैम्पों में चिन्हित कम वजन के बच्चो एवं अति कुपोषित बच्चों का सूरजमुखी चिन्हांकन करने के साथ-साथ बच्चों के सही वजन सावधानी पूर्वक भरने एवं निर्धारित सूरजमुखी चिन्हांकन का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया गया।

कलेक्टर ने कहा कि 'मिशन शक्ति' मिशन मोड में एक योजना है जिसका उद्देश्य महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत करना है। यह महिलाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों को नागरिक-स्वामित्व के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में समान भागीदार बनाकर

महिला-नेतृत्व वाले विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को साकार करना चाहता है। मिशन शक्ति का उद्देश्य विकलांग, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर समूहों सहित सभी महिलाओं और बालिकाओं को देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता है। उनके समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक सेवाएं और जानकारी प्रदान करना है। मिशन शक्ति की दो उप-योजनाएँ हैं - 'संबल' और 'सामर्थ्य' । संबल उपयोजना में, महिलाओं की सुरक्षा के लिए है, वन स्टॉप सेंटर (ओएससी), महिला हेल्पलाइन (डब्ल्यूएचएल), बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) की मौजूदा योजना को संशोधनों और नारी अदालत को एक नए घटक के साथ शामिल किया गया है। सामर्थ्य उपयोजना में, प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना, हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमेन ,शक्ति सदन ,सखी निवास एवं पालना आंगनवाड़ी सह झूलाघर आदि योजनाएँ शामिल है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य घटकों का व्यापक उद्देश्य उन महिलाओं की रक्षा करना या उनकी सहायता करना है जो हिंसा की शिकार हैं या कठिन परिस्थितियों में हैं या महिलाओं को सशक्त बनाना है। हिंसा से प्रभावित महिलाओं और संकटग्रस्त लोगों का तत्काल और व्यापक देखभाल, सहायता और सहायता प्रदान करना। सहायता की आवश्यकता वाली महिलाओं और अपराध एवं हिंसा की शिकार महिलाओं के बचाव, सुरक्षा और पुनर्वास के लिए गुणवत्तापूर्ण तंत्र स्थापित करना है। विभिन्न स्तरों पर महिलाओं के लिए उपलब्ध सरकारी सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना है और विभिन्न योजनाओं/विधानों के अंतर्गत पदाधिकारियों/कर्तव्य धारकों का क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण भी शामिल है।

इसकी सेवाएँ एवं गतिविधियों में योजना लक्षित महिलाओं को तत्काल और दीर्घकालिक देखभाल और सहायता की पहल के लिए सेवा वितरण और तकनीकी/अन्य आवश्यक जनशक्ति की भर्ती के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। आपातकालीन/तत्काल सेवाएं और अल्पकालिक देखभालः एक राष्ट्रीय टोल-फ्री नंबर द्वारा समर्पित 24 घंटे की हेल्पलाइन और अस्थायी आश्रय, कानूनी जैसी एकीकृत सेवाओं के माध्यम से हिंसा से प्रभावित महिलाओं और संकटग्रस्त महिलाओं के लिए निरंतर समर्थन और देखभाल प्रदान करने के लिए तंत्र स्थापित करना है। दीर्घकालिक सहायता के लिए संस्थागत देखभालः दीर्घकालिक संस्थागत देखभाल घटक में, अन्य बातों के साथ-साथ, गर्भाधान के चरण से लेकर उस समय तक महिलाओं की जरूरतों का ख्याल रखना शामिल है जब तक उन्हें उनकी शारीरिक, वित्तीय और सामाजिक स्थिति के कारण ऐसी देखभाल और सहायता की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार से विभिन्न कारकों के लिए महिलाओं के खिलाफ अपराध और हिंसा की गरिमा और रोकथाम के लिए व्यवहार परिवर्तन संचारः इसमें अंतर-मंत्रालयी अभिसरण के माध्यम से सभी कर्तव्य धारकों, सेवा प्रदाताओं और हितधारकों की लैंगिक संवेदनशीलता, वकालत, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम और सामुदायिक भागीदारी शामिल होगी।

कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में संपन्न हुई स्थायी शिक्षा समिति की बैठक

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में आज कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में स्थायी शिक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक अध्यक्ष स्थायी शिक्षा समिति एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र राजपूत, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. संतोष शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी रति सिंह सिद्धाम सहित समस्त बीईओ, बीआरसी, प्राचार्य समस्त हाई स्कूल एवं हॉयर सेकेण्ड्री स्कूल सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे। उक्त बैठक में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले शिक्षा व्यवस्था को सुचारू व नियमित रूप से संचालन की तैयारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें वन-टू-वन शिक्षण संस्थाओं की जानकारी ली गई। अधिकारियों को जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में पेयजल, मध्यान्ह भोजन, शौचालय, भवन मरम्मत एवं सुधार कार्य, पाठ्य पुस्तक वितरण, गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति, साईकिल वितरण उचित समय-सीमा में करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शैक्षणिक गतिविधियों का नियमित रूप से संचालन हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने कहा गया है। साथ ही अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शिक्षक प्रतिदिन विद्यालय में उपस्थित रहकर कक्षाएं नियमित रूप से संचालित करें, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में और अधिक सुधार आ सके।

किसानों के नाम आवंटित बीज की जानकारी सार्वजनिक करने से उपसंचालक कर रहे परहेज

भारतीय किसान संघ डिंडौरी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा सभी किसानों को मिले बीज
बीजों के लिए आनलाईन पंजीयन के बारे में नहीं किया गया प्रचार प्रसार,जिम्मेदार अधिकारियों के गलती से अब किसान हो रहे परेशान

डिंडौरी

किसान कल्याण एवं कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की किस ब्लॉक में खरीफ का बीज कितने मात्रा में आवंटित किया गया है इस विषय में भारतीय किसान संघ के किसान नेताओं के द्वारा द्वारा उपसंचालक कृषि विभाग से एक सप्ताह से सम्पर्क करने की कोशिश की गई तो फोन से बात करने मे परहेज किया गया स अन्य माध्यम से भी संपर्क किया गया फिर भी इनके द्वारा किसी प्रकार के जवाब नहीं दिया गया।

भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष बिहारी लाल साहू ने डिंडोरी तहसील अध्यक्ष एवं तहसील मंत्री एड.हर्ष गुप्ता को कृषि विभाग कार्यालय भेजा गया। कृषि विभाग उपसंचालक से बात किया गया और किसान संघ के प्रतिनिधियों के द्वारा संबंधित अधिकारियों से बातचीत किया गया,आवश्यक जानकारी चाही गई परंतु विभाग द्वारा इसकी जानकारी नहीं बताया जा रहा है।

किसानों के द्वारा चाही गई जानकारी विकास खंड स्तर में बीज का आवंटन कितना किया गया है और कौन-कौन से बीच उपलब्ध है स्पष्ट रूप से नहीं बताई जा रही है, न ही जानकारी सार्वजानिक की जा रही है स साथ ही जिले में बीज एवं उर्वरक कीटनाशक की लाइसेंस धारी की जानकारी मांगने पर बताने से भी परहेज कर रही है इससे ऐसा महसूस हो रहा है कि विभाग से मिली भगत से अवैध दुकानें संचालित हो रही है और यह देखने में भी आ रहा है कि कीटनाशकों के बिलिंग दुकानदारों द्वारा नहीं दी जा रही है इससे यह स्पष्ट है कि कहीं ना कहीं विभाग दुकानदारों को सह दे रही है और सिर्फ दिखावे के लिए कार्रवाई की जा रही है।साथ ही विभाग द्वारा यह कहा जा रहा है कि इस वर्ष ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से बीच उपलब्ध कराई जाएगी जबकि कृषि विभाग द्वारा ऑनलाइन के बारे में सही ढंग से प्रचार प्रसार नहीं किया है जिस कारण किसान कार्यालय के चक्कर काट रहें हैं।

30 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे मन की बात

डिण्डोरी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता नरेंद्र मोदी एक बार फिर से लोकसभा चुनाव के पश्चात 30 जून को मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसी तारतम्य में भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अवध राज बिलैया के नेतृत्व में जिले के 655 मतदान केंद्रों में यह मन की बात कार्यक्रम संपन्न किया जाना है। जिसके लिए जिला प्रभारी जिला महामंत्री ज्ञानदीप त्रिपाठी एवं मंडलों में मंडल प्रभारीगण डिण्डोरी में भागीरथ उरैती, तरुण ठाकुर, समनापुर में भारत सिंह राजपूत, शिवराम ठाकुर, बजाग में

कैलाश मरावी, कुलदीप नंदा, करंजिया में जगदीश धुर्वे, पुष्पेंद्र तेकाम, मंडल अमरपुर में अनिल साहू, किशोर मार्को, मेहंदवानी में सुदामा बर्मन, कार्तिकराम उइे, शहपुरा में सुरेंद्र साहू, हरीश जित्तू राय व शाहपुर मंडल में रामानुज राव, हीरा नायक को नियुक्त किया गया हैं। उक्त मन की बात कार्यक्रम को हर मतदान केंद्र में जन चैपाल के माध्यम से सुना जाना है एवं ग्रामीणों के साथ इसकी व्यापक चर्चा किया जाना है। जिला महामंत्री व कार्यक्रम प्रभारी ज्ञानदीप त्रिपाठी ने सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि मन की बात कार्यक्रम को ज्यादा से ज्यादा मतदान केंद्रों में सुने व इसके साथ ही हर मतदान केंद्रों में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण करना है। कार्यक्रम को संगठन एप एवं नमो एप पर शत प्रतिशत रिपोर्टिंग व फोटोग्राफ्स अपलोड किया जाना है।

गुरूवार की कार्यवाही में हुई 390 कि.ग्रा. मछली जप्त

डिंडौरी। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्योखेट, मत्स्य विक्रय, मत्स्य परिवहन आदि प्रतिबंधित है। उक्त आदेश के परिपालन में 27 जून 2024 को आर.के चंदेल प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग डिण्डौरी के नेतृत्व में बी. के. सिरसाम मत्स्य निरीक्षक उडनदस्ता दल प्रभारी, एच.सी. विश्वकर्मा मत्स्य निरीक्षक, विशाल शरणागत मत्स्य निरीक्षक, जय प्रकाश धुर्वे सहा. ग्रेड तीन एवं दशरथ प्रसाद वरकडे चैकीदार आदि दल ने गाड़ासरई के मछली बाजार से 60 कि.ग्रा. मछली राशि 6200 रूपए एवं भानपुर हाट बाजार से 330 कि.ग्रा. मछली राशि 7000 रूपए जप्त कर गुरूवार को कुल 390 कि.ग्रा. जप्त की गई। जिसकी नीलामी कर राशि 13200/- रूपए शासन के खातें में जमा किया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 29 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

जिले में 63.2 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। जिले में एक जून से 28 जून तक की अवधि में औसत रूप से कुल 63.2 मिमी अर्थात 2.49 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 28 जून की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 17.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 3 मिमी, गाडरवारा में 53 मिमी, गोटेगांव में 24 मिमी, गोटेगांव में 2 मिमी और तेंदूखेड़ा में 4 मिमी वर्षा आंकी गई है।
अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 जून तक तहसील नरसिंहपुर में 34 मिमी, गाडरवारा में 134 मिमी, गोटेगांव में 110 मिमी, करेली में 9 और तेन्दूखेड़ा में 29 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 322.60 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 426 मिमी, गाडरवारा में 305 मिमी, गोटेगांव में 187 मिमी, करेली में 409 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 286 मिमी वर्षा हुई थी।

9वी में प्रवेश की अंतिम तिथि आज

नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में शैक्षणिक सत्र 2024- 25 के लिए कक्षा 9 वीं में प्रदेश स्तरीय प्रवेश चयन परीक्षा हुई थी। इसके तहत राज्य स्तर पर प्राप्त मेरिट एवं संस्था द्वारा जारी प्रथम प्रतीक्षा सूची में प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 29 जून 2024 है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य जीएस पटेल ने चयन एवं प्रतीक्षा सूची में अंकित समस्त छात्र- छात्राओं व उनके अभिभावकों से अपील की है कि जो भी मेरिट चयन सूची एवं प्रथम प्रतीक्षा सूची के चयनित विद्यार्थी 29 जून 2024 तक प्रवेश लेना सुनिश्चित करें। प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि के बाद प्रवेश नहीं दिया जायेगा, जिसकी जिम्मेदारी छात्र- छात्राओं एवं अभिभावकों की होगी।

अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप, सोनी समाज ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। विगत दिवस सोनी समाज द्वारा अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुये कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में बताया गया है कि श्रीमति स्वाती सोनी पति नीतेश सोनी निवासी 124 भोपाल को डिलेवरी हेतु रोशन अस्पताल भोपाल में भर्ती कराया गया था । उसी दौरान अचानक स्वाती सोनी की तबीयत खराब हो गई उसे खून लगायां गया जैसे ही खून लगाया उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के समय कोई डॉक्टर नहीं था। खून लगाने का कार्य नर्सों एवं कम्पाउडर द्वारा किया गया। अस्पताल की लापरवाही के कारण ही स्वाती सोनी की मृत्यु हुई है। जिससे सर्व स्वर्णकार समाज नरसिंहपुर आहत है, तथा मांग करती है कि निष्पक्ष जांच कर अस्पताल के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये। सोनी समाज द्वारा ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई ।

निजी प्रकाशनों की ज्यादा कीमत वाली नहीं चलेंगी बुक

तेंदूखेड़ा- शुक्रवार को तेंदूखेड़ा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में तेंदूखेड़ा नगर परिषद क्षेत्र में संचालित पांच प्राइवेट स्कूलों के संचालकों की बैठक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संघमित्रा गौतम के द्वारा ली गई। जिसमें संचालकों से तीन सालों में ली गई फीस का ब्यौरा लिया है जिनका मिलान किया जाएगा इन वर्षों में यदि फीस वृद्धि पाई जाती है तो शुक्रवार को तेंदूखेड़ा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में तेंदूखेड़ा नगर परिषद क्षेत्र में संचालित पांच प्राइवेट स्कूलों के संचालकों की बैठक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संघमित्रा गौतम के द्वारा ली गई। जिसमें संचालकों से तीन सालों में ली गई फीस का ब्यौरा लिया है।

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक कर दिये दिशा निर्देश

पटवारी का वेतन काटा, डीई को नोटिस

नरसिंहपुर

शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जनपद पंचायत कार्यालय गोटेगांव के सभाकक्ष में अनुविभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, उद्यानिकी, खाद्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक के पूर्व कलेक्टर श्रीमती पटले ने बगतला तालाब में पौधरोपण किया। उन्होंने यहां जामुन का पौधा रोपा। इस दौरान एसडीएम श्रीमती देवंती परते, सीएमओ राजेश मेहतेल, समाज सेवी सरदार सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

मोबिलाइजेशन में करें सहयोग

जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि बीसीजी वैक्सीनेशन किया जाना है। इसमें महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कैम्पों का आयोजन किया जाये, जिसमें सचिव व पटवारी भी शामिल हों। यह महत्वपूर्ण कार्य है। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों में आयोजित होने वाले मंगल दिवस के कार्यक्रम में स्थानीय अमला विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत समग्र ई- केवायसी कार्य के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का अमला भी हितग्राहियों के मोबलाइजेशन में सहयोग करें।

अनुपस्थित रहने पर वेतन काटने के निर्देष

राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक पूर्व में हुई है। जिसमें उन्होंने निर्देशित किया है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में अभी भी किसान हितग्राहियों की ई- केवायसी का कार्य अभी नहीं हुआ है, इसमें पटवारियों को कार्य करने की आवश्यकता है। पेडिंग ई- केवायसी को पूर्ण करें। इसके अलावा साइबर तहसील के मामले में निर्धारित समय सीमा का पालन किया जाये। राजस्व प्रकरणों के अंतर्गत सीमांकन में सूचना की तामिली अधीनस्थ अमले द्वारा दी जाये। बैठक में ग्राम बेदू पटवारी बगैर अनुमति के अनुपस्थित होने पर वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बैठक में मौजूद पटवारियों को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये।

योजनाओं की ली समीक्षा

बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन की नल-जल योजना की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने जल निगम द्वारा जिन गांवों में पायली योजना के तहत टंकी बन चुकी है, इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि नल- जल योजना में पाइप लाइन बिछाने के उपरांत सड़कों के रेस्टोरेशन पर भी ध्यान दिया जाये। किसी भी स्थिति में कोई व्यक्ति अवैध रूप से पाइप लाइन कनेक्शन न लें। साथ ही पंचायत जल कर वसूली का भी कार्य नियमित तौर पर करें। बैठक में विद्युत विभाग के डीई नीरज परस्ते बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाये जाने पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने गोटेगांव अंतर्गत स्कूलों के विगत वर्ष के परीक्षा परिणाम की जानकारी, शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में विद्यार्थियों के इनरोलमेंट की जानकारी, पाठ्य पुस्तक वितरण एवं हाजिरी एप की भी जानकारी, स्कूलों में किचन शेड मरम्मत के लिए कितने स्कूलों को राशि नहीं मिली है, इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश बीईओ को बैठक में दिये।

स्कूल के मुख्य द्वार पर गंदगी का अंबार

नरसिंहपुर। संकुल शिक्षा केन्द्र राखी भैंसा से संबंधित सांकल मार्ग स्थित ग्राम पंचायत खोबी गांव में वर्ष 2007-08 से संचालित ज्ञान का मंदिर एकीकृत एक शाला एक परिसर के तहत शासकीय नवीन माध्यमिक पाठशाला शिक्षा संस्था जो कि संचालित है। जहां पर खोबी गांव के आलावा आसपास के सुदूर अंचलों से भी कक्षा पहली से लेकर आठवीं तक छात्र गण शिक्षा ग्रहण करने आया करते है। यहां शिक्षा संस्था के मुख्य द्वार पर इन दिनों काफी लंबे समय से आसपास के लोगों द्वारा घरों से निकलने वाला कूड़ा-कचरा फेंका जा रहा है। वही शाला परिसर में बना कूड़ा कर्कट कचरा घर भी साफ सफाई के आभाव में ओवर लोड चल रहा है। इसकी मुख्य वजह समय-समय पर शाला परिसर में कभी भी स्वच्छता अभियान नहीं चलाया जाता है। जिससे कि कूड़ा-कचरा का अंबार जहां तहां देखा जा सकता है। इस कारण शिक्षा संस्था परिसर का माहौल बड़ा प्रदूषित हो रहा है। जिससे कि शिक्षा संस्था में अध्ययनरत छात्रों सहित आमजनों के सेहत पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में आने वाले समय पर किसी भी वक्त मौसमी बीमारियां अपने पैर पसार सकती है। इसके आलावा वर्षों से इस शाला परिसर में सुरक्षा को लेकर बाल बाउंड्री की कोई उचित व्यवस्था आदि ना हो पाने से हर समय लोगो का जमघट लगा रहता है। फिर वही शाम ढलते ही उक्त शाला परिसर में नशेड़ियों की महफिल में तब्दील हो जाता है। जिसका बुरहा असर पूरे गांव पर काफी पड़ रहा है। इस संदर्भ में शिक्षा संस्था के प्रधान पाठक, पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष सहित ग्राम पंचायत एजेंसी ध्यान आकर्षित कर शिक्षा संस्था परिसर में फैली अनियमिताओं पर शीघ्र सुधार लाने के लिए उचित कदम उठाए। ताकि स्वच्छता के प्रति आम जनों को बेहतर सुविधाएं प्रदान होने के साथ-साथ गंदगी के कारण बीमारियों से भी बचा जा सके।

एसपी ने ऑटो चालकों की ली बैठक

नरसिंहपुर। गत दिवस जिले आपराधिक घटनाओं की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान के तहत ऑटो चालकों के साथ बैठक आयोजित कर दिए आवश्यक निर्देश साथ ही दस्तावेज चैक कर नंबर जारी किए गए तथा विभिन्न स्थानों में चस्पा कराई गई एवं किराया सूची जारी की गई । नगर में चलने वाले संपूर्ण ऑटो संचाकों को बुलाकर उनके दस्तावेज चैक किए गए एवं ऑटो के नम्बर जारी किए जाकर उनको रिकार्ड में दर्ज किया गया जो यातायात थाने में संधारित किया जावेगा। आमजनों को असुविधा का सामना न करना पड़े इस उद्देश्य से नगर में चलने वाले ऑटो की किराया सूची तैयार की जाकर नगर के विभिन्न स्थानों पर चस्पा की गयी है। जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक, अमित कुमार के निर्देश पर थाना स्टेशनगंज क्षेत्र में ऑटो चालाकों के साथ बैठक आयोजित की गयी बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र पटेरिया, आरटीओ जितेन्द्र शर्मा, निरीक्षक रत्नाकर हिग्वें, थाना प्रभारी कोतवाली गौरव चाटे, प्रभारी यातायात सउनि हीरासिंह तोमर एवं अन्य अधिकारियों द्वारा चलकों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए गए कि सभी चालक अपने वाहन के फिटनेस, इन्सोरेन्स, परमिट साटिफिकेट वाहन में रखे, वाहन प्रशिक्षित एवं स्वास्थ्य रूप से फिट होना चाहिए, सभी वहनों में फर्स्ट-एड बाक्स होना अनिवार्य है, चालक अपने वाहन में वरिष्ट नागरिक, बच्चों एवं महिलाओं की सीट आरक्षित रखे, यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखे, प्रत्ये यात्रा के पहले अपने वाहन का निरीक्षण करे नियमित रूप से तकनीकीध्मैकेनिकली जांच करें, यात्रा के दौरान कोई व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियां रहती है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को देवे। अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों की पतासाजी में पुलिस का सहयोग प्रदान करें।

कलेक्टर ने नपा कर्मियों की ली बैठक

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नगरपालिका गोटेगांव पहुँचकर अधिकारियों की बैठक ली और शाखा प्रभारी और कर्मचारियों से किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस मौके पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मेहतेल ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत शहर को स्टार वन की रैंक में लाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत सफाई वाहन डोर टु डोर जाकर कचरा संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर और एफएसटीपी भी शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए नागरिकों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए दुकानदार भी अपनी दुकानों के सामने डस्टबिन रखें। इस कार्य में विद्यालयों को भी शामिल किया जायें। अधिकारी अपने दौरों के दौरान यह देखें। इससे विद्यालयीन छात्र- छात्राएँ सफाई के प्रति प्रेरित होगी। इस अभियान को तभी जन आंदोलन का रूप दिया जा सकेगा। हमें प्लास्टिक के इस्तेमाल की बजाय कपड़े के थैलों का उपयोग करना होगा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि शहर में वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए नदी- नालों की साफ- सफाई एवं उसके आसपास अतिक्रमण को हटाया जाए, जिससे जल प्लावन की स्थिति निर्मित नहीं हो। साथ ही संपत्ति कर राजस्व वसूली पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्ति का भी ब्यौरा अलग-अलग रूप से तैयार किया जाए। बैठक के उपरांत कलेक्टर श्रीमती पटले ने एफएसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। साथ ही ग्राम सिमरिया में बनाये जा रहे रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया।

शिक्षक पदोन्नति पदनाम संघर्ष मोर्चा ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। विगत दिवस स्थानीय मध्यप्रदेश शिक्षक पदोन्नति-पदनाम संघर्ष मोर्चा ने संयोजक सुनील मेश्राम के निर्देशानुसार एसडीएम कार्यालय पहुंच कर शिक्षको के हित को दृष्टिगत रखते हुए चार सूत्रीय मांगो हेतु मा.राव उदय प्रताप सिंह शिक्षा मंत्री म.प्र.शासन के नाम का एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती देवतीं परते को सौपा, ज्ञापन में शिक्षको ने निम्नलिखित मांगों को उल्लेख करते हुए मांग की हैकि सर्वप्रथम उच्च पदभार प्रक्रिया के अंतर्गत सहायक शिक्षको उच्च श्रेणी शिक्षक और प्रधान अध्यापको की वरिष्ठता के आधार पर की जाए, सहायक शिक्षक उच्च श्रेणी शिक्षको और प्रधान अध्यापक तथा व्याख्याता को प्राचार्य पद पर वरिष्ठता के आधार पर कार्यवाही प्राथमिकता से पूर्ण की जावे, सहायक शिक्षक और उच्च श्रेणी शिक्षको को चतुर्थ क्रमोन्नति समयमान वेतन का लाभ तत्काल प्रदान किया जाए, अंतिम मांग मे विज्ञान सहायक शिक्षको को उच्च पदभार मे सामाजिक विज्ञान पद पर पदनाम प्रदान किया जावे, ज्ञापन सौपते समय प्रांतीय सचिव अनुपम तिवारी प्रदीप पटैल संतोष सोनी मयंक शर्मा श्याम सुंदर यादव बी.डी. रजक रूपचंद नामदेव राजेन्द्र सोनी बालकदास बैरागी मुन्नालाल पटेल उमाशंकर तिवारी छतर सिह पटैल रामसिंह पटेल कालूराम मेहरा रतन जैन सहित समस्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी सदस्य गण उपस्थित थे.।

छात्र - छात्राओं को बाल विवाह व नशा ना करने की दिलाई शपथ

नरसिंहपुर। विगत दिवस समीपवर्ती ग्राम डांगीढ़ाना स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष कमल जोशी के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव वैभव कुमार सक्सेना के मार्ग दर्शन में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया गया, शिविर में पीएलबी गोपाल ब्यौहार द्वारा छठवीं सातवीं आठवीं क्लास में अध्ययन रत छात्रछात्राओं को उनके अधिकार एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारियां देने के उपरांत छात्र - छात्राओं को बाल विवाह नही करने एवं बाल विवाह ना होने देने हेतु के साथही नशा ना करने के लिए शपथ दिलाई गई,इस अवसर पर पीएलबी गोपाल ब्यौहार शिक्षक शिक्षिकाएं छात्रछात्राएं व शाला परिवार जन उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा को आवश्यकता है पर्याप्त पुलिस बल की हमेशा खलती है कमी

तेंदूखेड़ा- तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय में पर्याप्त पुलिस बल की काफी लंबे समय से आवश्यकता है। तुलनात्मक दृष्टि से यही देखा जाए तो तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा का यह पुलिस थाना 84 ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। संपूर्ण क्षेत्र में शांति व्यवस्था को कायम रखते हुए तीन तीन न्यायालयों में पुलिस से संबंधित प्रकरणों को समय पर पुलिस कर्मियों के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना फिर मुख्यालय पर आने वाले फरियादियों को सुनने से लेकर एक बड़े बल की जरूरत हमेशा से यहां पर देखी जा रही है। सीमित बल पुलिस प्रकरणों को समय में निपटाने के साथ विभिन्न अभियानों में अपनी सलंग्नता को लेकर हमेशा अपने आप में कमी महसूस करती है। पड़ोसी थानों और चैकियों की यदि हम तुलना करें तो उन थानों में गांव भी बहुत कम मात्रा में हैं और वहां पुलिस बल भी पर्याप्त है। लेकिन तेंदूखेड़ा में बल की कमी हमेशा चर्चाओं में बनीं रहती है।

ककरा घाट पर नियमित पुलिस बल की जरूरत

तेंदूखेड़ा से ककरा घाट होकर गाडरवारा सड़क मार्ग दिन-रात चला करता है। विभिन्न प्रांतों के लोग भी यहां से आवागमन किया करते हैं। वहीं गाडरवारा रेल्वे स्टेशन से तेंदूखेड़ा तरफ मुसाफिर वर्ग ज्यादा तर आता जाता है। वैसे पूर्णिमा और अमावस्या पूर्व विशेष पर पुलिस बल तैनात तो रहता है लेकिन हमेशा 24 घंटे बल तैनात रहेगा तो निश्चित तौर पर अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों में भय का वातावरण बना रहेगा। चूंकि यहां पर एक भवन भी पूर्व में बनकर तैयार खड़ा हुआ है।

डोभी सहायता केन्द्र भी सुचारू हो

डोभी एक दर्जन से भी अधिक ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। पूर्णतः कृषि उपज पर आश्रित क्षेत्र है। यहां पर एक पुलिस सहायता केंद्र प्रारंभ तो किया गया था लेकिन कुछ ही समय तक चल सका जिसका कारण भी पुलिस बल की कमी ही रहा है। यहां पुलिस सहायता केंद्र खुले रहने से इस क्षेत्र में जहां शांति व्यवस्था कायम रहेगी वहीं इस क्षेत्र के फरियादियों को दस किलोमीटर दूर तक तेंदूखेड़ा थाने में नहीं भटकना नहीं पड़ेगा।

नियमितीकरण की मांग को लेकर अतिथि शिक्षकों का डीपीआई में धरना

जिले से सैकड़ों अतिथि शिक्षक दे रहे अपनी सहभागिता

तेंदूखेड़ा- पिछले 10दिनो से नरसिंहपुर जिले से सैकड़ों की संख्या में अतिथि शिक्षक धरना दे रहे हैं। विगत 16-17 वर्षों से मध्यप्रदेश शासन के द्वारा अतिथि शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अल्प वेतनमान पर उनसे कार्य लिया जाता है और उसके बदले में पारिश्रमिक भी कई महीनो के इंतजार के बाद उन्हें प्रदान किया जाता है। अपनी नियमितीकरण की मांग को लेकर अतिथि शिक्षकों द्वारा लगातार 16-17 वर्षों से प्रदेश स्तर से लेकर जिला मुख्यालय एवं ब्लॉक मुख्यालय तक धरना प्रदर्शन महापंचायतें आयोजित हो चुकी है परंतु नियमितीकरण के लिए आज भी शासन प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई।लोक शिक्षण संचनालय डीपीआई भोपाल में अतिथि शिक्षकों द्वारा शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन दिया जा रहा है, हमारे प्रतिनिधि को अतिथि शिक्षक संघ संगठन के वरिष्ट प्रांत कार्यकर्ता एवं नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष एस के सोनी ने बताया कि विगत दिवस आजाद अतिथि शिक्षक संघ के तत्वाधान में संचालित क्रमिक अनिश्चित कालीन ध्यान आकर्षण धरना लोक शिक्षण संचालनालय डीपीआई गौतम नगर भोपाल के प्रांगण चल रहा है। धरना में 8 वें दिन जिले की टीम ने सहभागिता प्रदान की। ध्यानाकर्षण कार्यक्रम में जिला नरसिंहपुर सहित जबलपुर और मंदसौर जिले की अतिथि शिक्षक व अन्य जिलों से भी अतिथि शिक्षक सम्मिलित हुए। 02 सितंबर 23 अतिथि शिक्षक महापंचायत के वादों और अन्य मांगों के निराकरण में अपनी आवाज को बुलंद किया। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह नरसिंहपुर जिले से हैं एवं वे अतिथि शिक्षकों की समस्याएं पिछले डेढ़ दशक से जान रहे हैं, ऐसे में जिले और गाडरवारा विधानसभा के अतिथि शिक्षकों व नागरिकों को उम्मीद है कि इतने लम्बे संघर्ष के बाद अतिथि शिक्षकों अन्य राज्यों के भाँति नीति बनाकर उनका भविष्य सुरक्षित किया जाएगा, एवं 2 सितंबर 2023 को अतिथि शिक्षक महापंचायत के सभी वादे सीनियारिटी और अनुभव के आधार पर बोनस अंक इत्यादि देकर पूरे किए जाएंगे। जो अतिथि शिक्षक स्कूलों से बाहर कर दिए जाते हैं उन्हें वापस सेवा में नियोजित किया जावे, इसके लिए उनके स्कोर कार्ड में 10 अंक प्रति वर्ष के अनुसार दर्ज किया जावे। अन्य मांगे एक साल की संविदा, 50: आरक्षण एवं गुरुजी के जैसी विभागीय परीक्षा इत्यादि है। 15, 16 सालों से अतिथि शिक्षक बनकर सेवा करने के बाद उनके पास दूसरा काम हाथ में नहीं रह पाता है ऐसे में वह इस उम्र कहां रोजगार तलाश करें । अतः उचित नीति बना कर उनके साथ न्याय किया जावे। ऐसी सभी बातें ज्ञापन सोपते समय डीपीआईआयुक्त के प्रतिनिधि उपसंचालक महोदय के समक्ष रखी गयी। संचालक ने विस्तार से सभी बातें सुनी उन्होंने कहा कि आप की उन सभी बातों को सरकार तक पहुंचाते हैं। यह भी कहा कि आप लोगों के मानदेय लिए कम आबंटन आ रहा था, कोशिश करके आबंटन की राशि बढ़ावा दी गयी है और 10 दिन के अंदर भुगतान करने के आदेश दिए हैं । अतिथि शिक्षक के वरिष्ठ प्रांत कार्यकर्ता एसके सोनी ने कहा प्रदेश की राजधानी भोपाल में हमारा संघर्ष और ध्यानाकर्षण धरना आगे भी पुरी संख्या बल के साथ गतिशील रहेगा। शीघ्र ही नरसिंहपुर जिला स्तर पर चारों बिधायको से मुख्यमंत्री महोदय को पत्र लिखने के लिए अनुरोध किया जाएगा। धरना कार्यक्रम में नरसिंहपुर से बृजेंद्र नेमा, सचिन शर्मा, रामेश्वर मेहरा, प्रदीप विश्वकर्मा, तेजेंद्र मालवीय, महेश वर्मा, सतीश मेहरा, शशिकांत मिश्र, अंजना राजपूत, नेहा शर्मा, वन्दना राय, राजकुमार राजपूत, उमाशंकर कहार, देवराज गुर्जर, लक्ष्मी प्रसाद विश्वकर्मा, सूरज राजपूत, प्रमोद राय, प्रदीप मदारे, रत्नेश मिढोतिया, अरुण पाठक, मनीष त्रिपाठी, इब्राहिम खान, रामगोपाल कौरव, भकतेश कौरव, विनोद कौरव, दीपक उपाध्याय, सहित अनेको अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।